

Your Roll No.

4596

B.A. (Programme)/II/III

C

SANSKRIT LANGUAGE Paper II

(संस्कृत वागव्यवहार, भगवद्गीता, व्याकरण तथा संस्कृत लेखन)

(Admissions of 2005 2006 and onwards in respect of

the students of Regular Colleges/NCWEB)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 60

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

- टिप्पणी :-**—(i) अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
- (ii) प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

- Note : - (i)* Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.
- (ii) The maximum marks printed on the question paper are applicable for the students of the regular colleges (Cat. 'A'). These marks will, however, be scaled up proportionately in respect of the students of NCWEB at the time of posting of awards for compilation of result.

All questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड-I

(Section-I)

1. निम्नलिखित में से किन्हों पाँच सूत्रों की व्याख्या कीजिए : 10

Explain any five of the following sutras :

- (i) अकः सवर्णे दीर्घः

(ii) एचोऽयवायावः

(iii) उपसर्गादृति धातौं

(iv) तोलिं

(v) नश्वापदान्तस्य झलि

(vi) शश्छोऽटि

(vii) वा शरि

(viii) ससजुषो रुः

(ix) वा पदान्तस्य ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच की सन्धि कीजिए : 5

Join Sandhis, in any five of the following :

(i) प्रति + एकम्

(ii) हित + उपदेशः

(iii) उप + ओषति

(iv) तत् + दीक्षा

(v) सत्यम् - वद

(vi) उत् + मात्रम्

(vii) रापः + वदति

(viii) वृक्षे + अस्मिन् ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो संज्ञाओं के विधायक सूत्र लिखकर उनके अर्थ भी स्पष्ट कीजिए : 5

Quoting relevant sutras, explain any two of the following terms :

संयोग, लोप, स्वरित, दीर्घ, अपादान, गुण ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रत्याहारों के बर्ण लिखिए : 5

Write Varṇas of any five of the following Pratyaharas :

अट् इक् वश् इय् शल् छव् जश् ।

5. करण कारक किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । 2

What is Karana Karaka ? Explain it with examples.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन रेखांकित शब्दों की विभक्ति का कारण लिखिए : 3

Account for the case-ending in any *three* of the following underlined words :

(i) तण्डुलान् ओदनं पचति ।

(ii) उपाध्यायं धर्म पृच्छति ।

(iii) रामः विद्यालयं गच्छति ।

(iv) पुत्राय स्वस्ति ।

(v) मातृः स्मरति ।

खण्ड-II

(Section-II)

1. निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक का अनुवाद कीजिए : 5

Translate any one of the following Slokas :

(क) तेषामहं समुद्भूता मृत्युसंसारसप्तरात् ।

भवामि नाचिरात् पार्थं मध्यावेशितवेतसाम् ॥

(ख) यस्मात्रोद्धिजते लोको लोकात्रोद्धिजते च यः ।

हर्षमर्षभयोद्देहैर्मुक्तो यः स च मे प्रियः ॥

2. निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक की संसदर्थ व्याख्या कीजिए : 5

Explain with reference to the context any one of the following

Slokas :

(क) अभ्यासेऽप्यसमर्थोऽसि मत्कर्मपरमो भव ।

मर्थमपि कर्माणि कुर्वन् सिद्धिमवाप्यसि ॥

(ख) तुल्यनिन्दास्तुतिर्मोनी संतुष्टो येन केनचित् ॥

अनिकेतः स्थिरमतिर्भक्तिमान् मे प्रियो नरः ॥

खण्ड-III

(Section-III)

1. निम्नलिखित शब्दांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

Write answers of the given questions on the basis of the following paragraph :

पुराणेषु श्रूयते एकदा धर्मसत्ययोः परम्परं विवादोऽभवत् ।
 धर्मोऽब्रवीत् “अहं बलवान्” । सत्यम् अवदत् “अहम्” इति ।
 अन्ते निर्णयार्थं तौ संपराजस्य समीपं गतौ । तेनोक्तम् चत् “यः
 पृथ्वीं धारयेत् स एव बलवान् भवेत्” इति । अनया प्रतिज्ञया
 धर्माय पृथ्वीं ददौ । स हि धर्मो व्याकुलोऽभवत् । पुनः सत्याय
 ददौ ।

सत्यं च कतिपययुगानि यावत् पृथ्वीं धारितवान् ।

(क) कयोः मध्ये विवादोऽभवत् ?

(ख) धर्मः किमव्रीत् ?

(ग) निर्णयार्थम् तौ कुत्र गतौ ?

(घ) कः बलवान् भवेत् ?

(ङ) सत्यं किं कृतवान् ?

उ निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दस वाक्यों का
अनुच्छेद लिखिए : 10

Write a paragraph of ten sentences on any one of the
following topics :

(क) देववाणी

(ख) सत्यमेव जयते नाऽनृतम्

(ग) अस्माकं महाविद्यालयः

(घ) परोपकारः ।